

गुलदाउदी: बगीचे का आभूषण



डॉ. आशुतोष कुमार^{1*}, डॉ.
अभिक पात्रा², डॉ. रतुल
मोनी राम³, डॉ. भूषण कुमार
सिंह⁴, डॉ. राजेंद्र प्रताप
सिंह⁵

¹एसएमएस बागवानी सब्जियां,
²एसएमएस, फसल उत्पादन,
³एसएमएस, पौधा संरक्षण,
⁴एसएमएस, पशु विज्ञान,
⁵वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान,
केवीके नरकटियागंज,
आरपीसीएयू पूसा बिहार

गुलदाउदी, जिसे आमतौर पर " शिंगिकु और क्राउन डेज़ी" या "मम्स" भी कहा जाता है, दुनिया भर में सबसे प्रिय फूलों में से एक है। अपनी रंगीन छटा और सुंदर पंखुड़ियों के कारण, यह फूल बगीचों, गुलदस्तों और सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखता है। अपने ऐतिहासिक महत्व से लेकर आधुनिक बागवानी तक, गुलदाउदी एक अनोखा पौधा है।



गुलदाउदी का इतिहास

गुलदाउदी की शुरुआत हजारों साल पहले चीन में हुई थी, जहां इसे केवल उसकी सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि औषधीय गुणों के लिए भी उगाया जाता था। चीन में इसे दीर्घायु और जीवन शक्ति का प्रतीक माना जाता था। बाद में, यह फूल जापान पहुंचा, जहां इसे सम्राट का प्रतीक माना गया और इसे "सम्राट का फूल" कहा गया। आज, यह फूल दुनिया भर में प्रसिद्ध है, खासकर अमेरिका में, जहां इसे शरद ऋतु के बगीचों का पर्याय माना जाता है।

रंगों और प्रजातियों की विविधता

गुलदाउदी रंगों और आकारों में बेहद विविध है। यह सफेद, पीला, गुलाबी, बैंगनी और लाल जैसे रंगों में मिलता है। इसके विभिन्न रूपों में शामिल हैं:

- **डेकोरेटिव मम्स:** बड़े और परतदार फूल।
- **स्पाइडर मम्स:** लंबी, पतली पंखुड़ियों वाले।
- **पॉम्पॉन्स:** छोटे, गोल और कॉम्पैक्ट फूल।

गुलदाउदी की बागवानी

गुलदाउदी एक मजबूत बारहमासी पौधा है और इसे उगाना आसान है। यह गमलों, लटकते बास्केट्स और बगीचों में सुंदरता बिखेरता

है। इसे उगाने के लिए निम्नलिखित सुझाव अपनाएं:

1. **धूप:** रोजाना कम से कम 6 घंटे की सीधी धूप दें।
2. **मिट्टी:** अच्छी तरह से जल निकासी वाली और उपजाऊ मिट्टी का उपयोग करें।
3. **सिंचाई:** मिट्टी को नम रखें, लेकिन पानी का जमाव न होने दें।
4. **छंटार्ह:** शुरुआती वृद्धि को काटें ताकि पौधा झाड़ीनुमा और अधिक फूल देने वाला बने।

वसंत में रोपण करने से पौधे की जड़ें मजबूत होती हैं और गर्मियों

के अंत या शरद ऋतु में यह फूलों से लद जाता है।

सांस्कृतिक महत्व

गुलदाउदी का सांस्कृतिक महत्व भी गहरा है। एशिया में यह जीवन और पुनरुत्थान का प्रतीक है। यूरोप में इसे स्मरण और श्रद्धांजलि

के रूप में देखा जाता है। फूलों की भाषा में गुलदाउदी वफादारी, प्रसन्नता और प्रेम का प्रतीक है।



औषधीय और अन्य उपयोग

गुलदाउदी न केवल सजावटी है, बल्कि इसके व्यावहारिक उपयोग भी हैं। इसकी सूखी पंखुड़ियों से बनी चाय एशियाई देशों में लोकप्रिय है और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी मानी जाती है। इसके अलावा, गुलदाउदी के अर्क में पाइरेथ्रिन्स होते हैं, जो प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में उपयोग किए जाते हैं।

शरद ऋतु का सितारा

जब शरद ऋतु में अन्य पौधे मुरझा जाते हैं, तब गुलदाउदी बगीचों को जीवंत कर देती है। इसकी रंगीनता और भरपूर खिलावट इसे मौसमी सजावट के लिए अनिवार्य बनाती है। इसे कद्दू, सूखी घास और सजावटी गोरों के साथ जोड़कर सुंदर प्रदर्शन किया जा सकता है।

निष्कर्ष

गुलदाउदी केवल एक फूल नहीं है; यह सुंदरता, इतिहास और उपयोगिता का अद्भुत मेल है। चाहे यह बगीचे को सजाए, किसी प्रिय मूल्य का प्रतीक बने, या गर्म चाय का आनंद दे, गुलदाउदी हर किसी के लिए कुछ न कुछ खास लेकर आता है। अगली बार जब आप गुलदाउदी देखें, तो इसके अनोखे आकर्षण और महत्व को याद करना न भूलें।